Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 14-08-2006

Participants : Suman Shri Ramji Lal

an>

Title : Rising naxalite activities in the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : सभापति महोदय, देश का अधिकांश हिस्सा नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित है। सम्माननीय सदन में इस गंभीर समस्या पर चर्चा भी हुई है, लेकिन जिस तेजी के साथ काम होना चाहिए, उस तेजी के साथ काम नहीं हुआ है और परिणाम यह है कि 21 राज्यों के लगभग 160 जिले नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित हैं। 31 मार्च, 2006 को गृह मंत्रालय ने उच्चाधिकारियों के साथ बैठक भी की थी, लेकिन उसके जो अपेक्षित परिणाम निकलने चाहिए थे, वे नहीं निकले। छत्तीसगढ़ और झारखंड दो ऐसे राज्य हैं, जहां आए-दिन नक्सलवाद से प्रभावित घटनाएं होती रहती हैं।

17 जुलाई को करीब 800 नक्सलवादियों ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में ऐराबोर में स्थित राहत शिविर, (सीआरपीएफ कैम्प) और पुलिस थाने पर हमला किया, जिसमें 31 लोगों की हत्या हुई, 90 जख्मी हुए, सौ से अधिक लोगों का अपहरण हुआ और सैंकड़ों की संख्या में अभी भी लोग लापता हैं। यह देश की बहुत ही गंभीर समस्या है और देश की आंतरिक सुरक्षा को अत्यधिक गंभीर चुनौती मिल रही है। अभी छत्तीसगढ़ में श्री के.पी.एस. गिल को वहां के मुख्य मंत्री का सलाहाकार बनाया, उन्होंने रिकमेंड किया कि अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की जाए, हैलीकाप्टर की व्यवस्था की VÉÉA[R19]।

सभापति महोदय, जिन चीजों का जिक्र श्री गिल ने किया था, वे सुविधाएं आज तक वहां उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। मुझसे छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुछ लोग मिले थे। उनसे मेरी बात हुई और उन्होंने मुझे बताया कि सबसे अधिक चिन्ताजनक की बात यह है कि नक्सलवादियों के नाम पर गांव के गरीब और भोले-भाले लोगों को परेशान करने का काम किया जा रहा है। पुलिस के लोग जाते हैं और कहते हैं कि यहां रात को नक्सलवादी आए थे और इसकी आड़ में पुलिस चाहे जिस आदमी को जेल में बन्द करने, उसके खिलाफ एक्शन लेने का काम रोज कर रही है। झारखंड राज्य के हजारीबाग जिले में ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : छत्तीसगढ में हजारीबाग नहीं है।

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति जी, मैं समाप्त कर रहा हूं। वहां 22 जुलाई को एक गांव में, नदी किनारे एक जगदीश नामक व्यक्ति रहता था, जिसका नक्सलवादियों से कोई मतलब नहीं था, उसे पुलिस गिरफ्तार करके ले गई और जेल भेज दिया गया। मैं आपकी मार्फत चाहूंगा कि इस गम्भीर समस्या पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। यह राज्यों की समस्या नहीं है, यह राट्र की समस्या है। इसलिए इस गम्भीर सवाल पर पर सदन में बहस हो। चूंकि इस समस्या का संबंध बेरोजगारी, बेबसी और क्षेत्रीय असंतुलन से है, इसलिए सरकार इस समस्या के इस परिप्रेक्ष्य में देखे और इस पर गम्भीरता से विचार करे। विचार करने के बाद सकारात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे नक्सलवादी गतिविधियों को बढ़ने से रोका जा सके।

सभापति महोदय : मैं सभी माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहता हूं कि आज सदन लंच के लिए स्थगित नहीं होगा। मेरा आग्रह है कि आप विशेा महत्व के अपने-अपने प्रश्नों को सदन में संक्षेप में प्रस्तुत करें, क्योंकि सदन इस मद की शीघ्र समाप्ति के बाद छावनी विधेयक, 2006 पर चर्चा करना चाहेगा।